यू० पी० बैंक इम्प्लाईज यूनियन

पंजीकरण संख्या–538
ए.आई.बी.ई.ए. से संबद्ध
केन्द्रीय कार्यालय : 106/107 द्वितीय तल, ब्लाक संख्या 26/2/4, संजय प्लेस, आगरा–282002
पत्र व्यवहार : 3/17, विभव नगर, आगरा–282 001, मो0: 09837472750
फोन/फैक्सः (नि0) 0562–4044383, **E-mail: mmrai_2509@yahoo.co.in & mmrai2509@gmail.com**

परिपत्र संख्या : 2016–19/47/2018 **दिनांक :** 07.05.2018

सभी प्रान्तीय पदाधिकारियों, कार्यकारिणी सदस्यों
जिला इकाईओं के मंत्रियों/अध्यक्षों हेतु

प्रिय साथियों,

आईबीए के साथ वेतन पुनरीक्षण वार्ता

जैसा कि आपको विदित ही है 5 मई, 2018 को मुम्बई में हुई वेतन वार्ता में आईबीए ने विभिन्न बहाने बनाते हुए 2% वृद्धि का एक तुच्छ प्रस्ताव रखा। स्पष्ट है कि यह किसी भी प्रकार से स्वीकार किए जाने योग्य नहीं था और इसलिए यूएफबीयू ने अपनी बैठक में विभिन्न केन्द्रों पर सुविधानुसार 8 या 9 मई को सभी शाखाओं पर प्रदर्शन अथवा केन्द्रीयकृत प्रदर्शन और माह के अंत में 2 दिन की निरंतर हड़ताल करने का निर्णय लिया जिसकी तिथियां बाद में घोषित की जायेंगी। इस सन्दर्भ में हम एआईबीईए के परिपत्र संख्या 28/54/2018/17 दिनांक 06.05. 2018 का अनूदित सार आप सभी की सूचना, संज्ञान एवं अनुपालन हेतु नीचे प्रस्तुत कर रहे हैं।

अभिवादन सहित,
आपका साथी,

(मदन मोहन राय)
महामंत्री

यूएफबीयू परिपत्र

प्रिय साथियों,

- **आईबीए के साथ वेतन पुनरीक्षण वार्ता तथा आईबीए–सरकार का नकारात्मक रवैया**
- **यूएफबीयू ने वेतन बिल में 2% वृद्धि के आईबीए के प्रारंभिक प्रस्ताव को अस्वीकार किया**
- **आन्दोलन और हड़ताली कार्रवाई का सहारा लेने का निर्णय लिया**
- **8/9 मई को देशभर में विशाल प्रदर्शन आयोजित करें**
- **मई, 2018 के अंत तक 48 घण्टों की निरंतर हड़ताल के लिए तैयार रहें**

''वेतन पुनरीक्षण के लिए हमारे माँग पत्र पर आईबीए के साथ अति विलंबित समझौता वार्ता लगभग 6 माह के अंतराल के बाद 5 मई, 2018 को पुनः प्रारम्भ हुई। आईबीए की टीम का नेतृत्व श्री आर.के. टक्कर, प्रबंध निदेशक, यूको बैंक तथा नेगोशिएटिंग कमेटी के चेयरमैन, श्री वी.जी. कन्नन, मुख्य कार्यकारी, आईबीए, श्री पी.एस. जयाकुमार, प्रबंध निदेशक, बैंक ऑफ बड़ौदा, श्री राजकिरण राय, प्रबंध निदेशक, यूनियन बैंक ऑफ इण्डिया, श्री श्याम श्रीनिवासन, प्रबंध निदेशक, फैडरल बैंक तथा श्री एस.के. कक्कड़, वरिष्ठ सलाहकार–एचआरए, आईबीए द्वारा किया गया। यूएफबीयू का प्रतिनिधित्व हमारी नौ घटक यूनियनों के नेताओं द्वारा किया गया।

चिकित्सा बीमा योजना : आईबीए ने आग्रह किया कि यूएफबीयू के प्रतिनिधियों को चिकित्सा बीमा योजना के शासन प्रबंध के लिए ब्रोकर/सेवा प्रदाता की नियुक्ति के लिए समिति का हिस्सा होना चाहिए। हमने समिति का हिस्सा बनने के लिए स्पष्ट रूप से इंकार कर दिया क्योंकि ब्रोकर की नियुक्ति हमारे समझौते का भाग नहीं है और यूनियनों को इसमें शामिल नहीं होना चाहिए। हालांकि, हमने आईबीए को सूचित किया कि यूएफबीयू कर्मचारियों, अधिकारियों तथा सेवानिवृत्तों द्वारा सामना की जाने वाली समस्याओं पर चर्चा करने के लिए तैयार रहेगी ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि योजना बिना किसी परेशानी के लागू की गई है। इस मुद्दे पर

जारी पृष्ठ 2

आगे चर्चा करने का निर्णय लिया गया।

वेतन वृद्धि : हमने आग्रह किया कि अंतिम बैठक के बाद से अत्यधिक विलंब को देखते हुए, आईबीए को अपना प्रारंभिक प्रस्ताव प्रस्तुत करना चाहिए जिससे कि आगे की समझौता वार्ता हो सके और अन्तिम स्थिति पर शीघ्रता से पहुंच सकें। हमने बताया कि सरकार/वित्त मंत्रालय वेतन पुनरीक्षण प्रक्रिया को शीघ्र करने के लिए सभी बैंकों तथा आईबीए को बार–बार सलाह दे रहे हैं लेकिन मामले में देरी हो रही है। आईबीए ने कहा कि बैंक लाभप्रदता पर बढ़ते तनाव का सामना कर रहे हैं और बैंकों की स्थिति उतनी अच्छी नहीं है और वेतन पुनरीक्षण की माँगों पर चर्चा करते समय इसे ध्यान में रखा जाना चाहिए।

हमने कहा कि सभी बैंक परिचालन लाभ कमा रहे हैं और यह केवल खराब ऋणों के लिए प्रावधानों के प्रति भारी विभाजन के कारण है कि बैंकों की लाभप्रदता का अपक्षरण हो रहा है और किसी भी तरह से बैंकों में कार्यरत कर्मचारियों तथा अधिकारियों को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है। इसलिए हमने मांग की कि पर्याप्त और संतोषजनक वेतन पुनरीक्षण होना चाहिए।

हालांकि, आईबीए ने सूचित किया कि बैंकों की वर्तमान स्थिति को देखते हुए, उनके हिस्से पर बाधायें हैं और इसलिए **31.3.2017 को कुल वेतन बिल पर 2% वृद्धि का अपना प्रारंभिक प्रस्ताव** किया।

हमने आईबीए को सूचित किया कि 10वें द्विपक्षीय समझौते में, वेतन बिल में 15% वृद्धि हुई थी और इसलिए आईबीए का यह प्रस्ताव बेहद निराशाजनक है और प्रारंभिक प्रस्ताव के रूप में भी पूरी तरह से अस्वीकार्य है। हमने मांग की कि आईबीए को अपना प्रारंभिक प्रस्ताव सुधारना चाहिए ताकि संतोषजनक और पर्याप्त वेतन वृद्धि के साथ एक परस्पर स्वीकार्य समझौते पर पहुंचने के लिए मामले पर आगे की बातचीत की जा सके।

आईबीए ने अपने प्रारंभिक प्रस्ताव में सुधार करने में अपनी असमर्थता से खेद व्यक्त किया और इसलिए यूएफबीयू ने उनके प्रस्ताव को पूरी तरह से खारिज कर दिया और उन्हें सूचित किया कि यूएफबीयू अपनी उचित मांगों को महत्व देने के लिए आन्दोलनात्मक कार्यक्रमों का सहारा लेने के लिए मजबूर होगी।

यूएफबीयू की बैठक : तत्पश्चात, यूएफबीयू की बैठक आयोजित की गई और यह निर्णय लिया गया कि आईबीए के बहुत तुच्छ प्रस्ताव को हस्तक्षेप के लिए वित्त मंत्रालय के संज्ञान में लाया जाना चाहिए और साथ ही यूएफबीयू को आन्दोलनात्मक कार्यक्रम शुरू करने चाहिए।

कार्यक्रम :

8 अथवा 9 मई, 2018	**भोजनावकाश के दौरान अथवा कार्यालय समय के उपरांत बैंक शाखाओं के सम्मुख देशभर में विशाल प्रदर्शन। बड़े कस्बों तथा शहरों में, केन्द्रीयकृत प्रदर्शन आयोजित किये जाने चाहिए।**
मई, 2018 के अंत तक	**अन्य आन्दोलनात्मक कार्यक्रमों से पहले 2 दिवसीय/48 घण्टों की निरंतर हड़ताली कार्रवाई। (हड़ताल की तिथियां सरकार की प्रतिक्रिया के इंतजार के बाद अगले हफ्ते सूचित की जायेंगी)**

साथियों, हम हमारी मांगों को आगे बढ़ाने में अत्यधिक धैर्य का प्रयोग कर रहे हैं लेकिन शायद आईबीए तथा सरकार ने इसे हमारी कमजोरी के रूप में लिया है। वेतन पुनरीक्षण के लिए हमारी न्यायोचित माँगों को हल करने में आईबीए के अनुचित दृष्टिकोण तथा सरकार के लापरवाह रवैये के विरूद्ध हमारी एकता तथा एकजुट रोष को दिखाने का समय है।

पूर्ण एकता कायम करें, सभी स्थानों पर विरोध प्रदर्शनों को विशाल बनायें तथा हड़ताल कार्रवाई के लिए हमारे आह्वान की प्रतिक्षा करें।''

अभिवादन सहित,

आपका साथी
ह0..
सी.एच. वेंकटचलम्
महामंत्री